>

Title : Need to set up an airport in Ajmer, Rajasthan.

रासा सिंह रावत (अजमेर): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि अजमेर जैसे प्राचीन, ऐतिहासिक, शैक्षिक, धार्मिक और पुरातात्विक महत्व के नगर में अभी तक हवाई अड्डा नहीं बना है, यह अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारी संसद के प्रत्येक मित्र, मंत्रीगण, बड़े से बड़े अधिकारीगण, महामहिम से लेकर नीचे तक सब अजमेर शरीफ और पुष्कर जाना चाहते हैं और जाते भी हैं, लेकिन उन्हें आने-जाने में काफी कठिनाई होती है। बंगलादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और अन्य अरब देशों से लोग दरगाह शरीफ में ऐते हैं। उन्हें पहले दिल्ली से वायुमार्ग से जयपुर और जयपुर से फिर राष्ट्रीय राजमार्ग से अजमेर जाना पड़ता है जिससे बड़ी परेशानी होती है। इसी प्रकार अजमेर में मेयो कॉलेज है जहां सारे देश के बच्चे पढ़ने के ा।लए ऐते हैं। वहां पब्लिक स्कूल हैं और उन्हें भी बड़ी परेशानी होती है। विदेशों में व्यापार करने वाले लोग, प्रवासी भारतीयों के परिवार अजमेर में बहुत बड़ी संख्या में रहते हैं। उन्हें आने-जाने में काफी परेशानी होती है। अजमेर 1956 तक केन्द्र शासित प्रदेश रहा। ब्रिटिश गवर्नमैंट के समय में भी अंग्रेजों का सबसे बड़ा पोलीटिकल एजैंट अजमेर में रहता था। सबसे बड़ी बैंत यह है कि अजमेर आजादी की लड़ाई का बड़ा भारी केन्द्र था। राजस्थान में सब रजवाड़े थे, रियासतें थीं और वहां कोई आजादी का नाम, भारत माता की जय नहीं बोल सकता था। सारे स्वाधीनता सेनानियों का अजमेर में जाकर जेल में गिरफ्डतारी देना, आजादी के ा।लए मांग करना, राष्ट्रीय नेता महात्मा गांधी जी, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और भगत सिंह जैसे क्रान्तिकारी लोग अजमेर नगर में गए और वहां से उन्होंने सारे राजस्थान में क्रान्ति का मंत्र पूंका। ऐसी क्रान्तिकारियों की नगरी अजमेर जहां पर सीआरपीएफ के ग्रुप हैडक्वार्टर्स हैं, जहां से अन्य सैन्य बलों को देश में कहीं भी संकट आने पर तुंत भेजना पड़ता है या सेना की सुप्रसिद्ध सैनिक छावनी नसीराबाद, जहां से बार्डर पर कभी भी संकट आने पर सेनाओं की आवाजाही रहती है, ऐसी स्थिति में अजमेर में हवाई अड्डे का स्थापित होना अत्यन्त आवश्यक है। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से प्रार्थना करूंगा कि अजमेर को देश के वायु यैंतायैंत से जोड़ने के ा।लए वहां अविलंब हवाई अड्डे की स्थापना की जाए और उसे वायु मार्ग से जोड़ा जाए। धन्यवाद।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Though it is not mandatory for me to allow Chaudhary Lal Singh as he has not given any notice in time, but as a special case I would like to allow two hon. Members to raise their matters because their matter is very important.